No. २८४६ / क

Title कमलनेत्रम्

Author कविः, दत्तदासः

Extent ६ पत्र Age

Subject स्तोत्र

कमलनेत्र

नं. ८४९

6082

F-6

Complete

ॐ श्रीगणेशायनमः॥ ॐ श्रीकमलने
त्रकटिपीतांवरअधरमुरलीगिरिध
र॥ मुकटकुंडलकरलकुटीयासा
वरेशायेवरं॥ १॥ कूलजमुनाधेनुआ
गेसकलगोपीयनमनहारं॥ पीत

क वसुगरुडवाहनचरणसेवितनित

१ मागरं ॥२॥ कानकेलिकलोलनि॰

सदिनऊंजभवनउजागरम॥ष्रव

लष्रमरष्रडेललनिस्वल॥पुरुषोत्त

मष्रपतापरम॥३॥दीनानाथदया

लगिरयरकेंसहरणाकलहरस
गलफूलमालविशाललोचन
ग्रथिकसुंदरकेशवं ॥ ५ ॥ वंसीधर
वसुदेवकुंईया ॥ बलककलोहैश्री
गामतं ॥ जलडोवतेगजराघलो।

का नोलेकाक्षेयोराखनं ॥५॥ सप्तदीप
२ नवखंडचौदांभवनकीनोरामजी
पकपलं ॥ द्रौपदाजीकेलाजराखी
कहालैडपमाकरं ॥६॥ दीनानाथ
दयालसूरणकरुणामयकरु

णकरं ॥ कविदत्तदासविलासति
सदिननामजपतनितसागरं ॥ ७
प्रथमगुरुजीकेचरणवंदो ॥ यस्प
ज्ञानप्रकाशितं ॥ आदिविस्तुजगा
दिब्रह्मासेवतेशिवशंकरं ॥ ८ ॥ श्री

क
१
3

कृस्नकेशवकृस्नकेशवकृस्नय
डुपतिकेशिवं॥श्रीरामरघुवरराम
रघुवररामरघुवरराघवम॥४॥श्रीरा
मकृस्नगोविंदमाधव॥वासुदेवश्री
वामने॥मछकछवराहनरसिंहण

हिरन्नुपतिपावनम् ॥९॥ मथुरामै
केशिवरायविराजै ॥ गोकुलबालमु
कुंदजी ॥ श्रीबंद्रावनमैमदनमोहन
नगोपीनाथगोविंदजी ॥१०॥ धन्नमथु
रायधन्नगोकुल ॥ जहांश्रीपतिप्रवतो

क पन्नजमुनानीरनिर्मल॥ग्वालवा
५ लमखावरे॥२५॥नवनीतनागरक
5 रतनिरतन॥शिवविरंचमनमोहि
तम॥कालिंद्रीतटकरतक्रीडाबा
लअद्भुतसुंदरम्॥२६॥वालग्वाल

समसखाविराजेसंगराएवेवामनी

वेसीवन नटनिकटजमनामरा।

लीकीठेरहिहावनी॥२४॥भजरावे।

रघुवेसउजनमपरमराजकुमारजी

सीताकेपतभगातनिगतनजगा।

क ५

5

न्याराउधारजे॥२५॥जनकराजापत
करावे॥यन्तषवाराचडावहे सती
सीतानामजाके॥श्रीरामचंद्रप्राण
महे॥२८॥श्रीकास्मकलमलहराण
जाके॥जोभजेहरचरणको भग

तम्रापनेदेहमायव॥ भवसागरके
तरणको॥ १७॥ जगन्नाथजगदेसह
मी॥ श्रीमईनाथविश्वंभरम॥ श्रीद्वा
रिकाकीनाथश्रीपतिकेशवंप्रणा
मामहे॥ १८॥ श्रीकृष्णब्रह्मपदपठन

क निसदिन ॥ विमलोकमगकृतिश्री
८ गुरुरामानंदप्रवतारस्वामी ॥ कवि-
दनदाससमागम ॥ इतिश्रीकमल
नेत्रस्तोत्रंसमापतं ॥ शुभमस्तु ॥

